K–1077

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

DVS–103

Diploma in Vastu Shastra (DVS)
Ist Year Examination Dec., 2023

ग्रहनिर्माण विवेचन

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. यज्ञ वेदी निर्माण के लिए राहुमुखपुच्छ विचार का वर्णन कीजिए।

2. गृहशान्ति पूजन एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

3. गृहारम्भ के महत्व को प्रतिपादित करते हुए, उनके शुभाशुभ मुहूर्तों को लिखिए।

4. नूतन गृहप्रवेश में कौन–कौन से मास, नक्षत्र, तिथि तथा वार ग्राह्या हैं, इस पर लघु निबन्ध लिखिए।

5. वृष वास्तु चक्र के महत्व को बताते हुए, निर्माण प्रक्रिया को लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. खात खनन में राहुमुखपुच्छ के फल को प्रतिपादित कीजिए।

2. वर्तमान काल में प्रचलित कक्ष विन्यास के स्वरूप को परिभाषित कीजिए।

3. शयन कक्ष की आंतरिक संरचना के बारे में लिखिए।

4. श्रीपति के मतानुसार गृहारम्भ में चान्द्रमास फल को लिखिए।

5. उत्तरदिशा में द्वार फल का लेखन कीजिए।

6. द्वार सम्बन्धित उपद्रव के फल को लिखिए।

7. गृहारम्भा के पूर्व विचारणीय विषय को प्रतिपादित कीजिए।

8. गृहनिर्माण के लिए इष्टिका विचार व उसके फल लिखिए।

****